

विशेष रिपोर्ट अप्रैल 2022

काँटन, कैस्टर एवं ग्वारसीड



अहम कारक

- मौजूदा कीमत पर घरेलू धागा मिलों की ओर से कपास की मांग
- कपास निर्यात पर सरकारी नीति
- भौतिक बाजार में कपास की आवक
- सीसीआई द्वारा मासिक उत्पादन अनुमान
- अमेरिकी कपास की बुआई और मौसम का अनुमान
- आयात शुल्क में छूट के बाद आयात की मात्रा



- अधिक औद्योगिक मांग और नए सीजन में कपास की फसल से कम आपूर्ति के कारण मार्च में एमसीएक्स पर काँटन की कीमतों में लगभग 7.7% से अधिक की वृद्धि हुई है और अब तक के उच्चतम स्तर 46380 पर पहुंच गई।
- टेक्सास जैसे प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बिगड़ने के बीच आयातक देशों की ओर से मजबूत मांग के कारण आपूर्ति में कमी की आशंका बढ़ जाने से आईसीई में काँटन की कीमतों में भी 22% से अधिक की वृद्धि हुई।
- बाजार में कम आपूर्ति की वजह से घरेलू कीमतें रिकॉर्ड उच्च स्तर पर हैं। इसके अलावा, घरेलू मिलों की बढ़ती खपत और उत्पादन अनुमानों में गिरावट के कारण अगले कपास सीजन के लिए अंतिम स्टॉक अनुमानों में कमी का अनुमान है। लेकिन कीमतों को कम करने के लिए, केंद्र सरकार ने 30 सितंबर कपड़ा निर्माताओं, धागों सहित कपड़ा मूल्य श्रृंखला के लिए आयात शुल्क में छूट दी है। इसके अलावा, सरकार कपास की उपलब्धता में सुधार करने के लिए देश से कपास के निर्यात पर अस्थायी प्रतिबंध पर विचार कर सकती है यदि कपास की कीमतों में वृद्धि जारी रहती है।
- इसके अलावा, यूएसडीए द्वारा अपनी मासिक रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में कपास के उत्पादन अनुमान कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन सीएआई ने वर्ष 2021/22 में उत्पादन को 8 लाख गांठ से अधिक घटाकर 335.13 लाख गांठ कर दिया, जबकि खपत का अनुमान 340 लाख गांठ रखा है। निर्यात और आयात का पूर्वानुमान भी क्रमशः 45 लाख गांठ और 15 लाख गांठ पर अपरिवर्तित रहा। अक्टूबर 2021 से मार्च 2022 के महीनों के दौरान भारतीय कपास की आवक पिछले वर्ष की समान अवधि के 283 लाख गांठ (1 गांठ 170 किलोग्राम के बराबर) की तुलना में 262.68 लाख गांठ होने का अनुमान है।

आउटलुक

फिलहाल एमसीएक्स में काँटन की कीमतें अब तक के उच्चतम स्तर 46350 के करीब कारोबार कर रही है। चालू सीजन में कपास का उत्पादन कम है और कटाई मिलों के पास कपास का स्टॉक 3-4 महीने से अधिक नहीं है, जबकि नई फसल के लिए मिलों को कम से कम 6 महीने इंतजार करना पड़ेगा। इसके अलावा, सरकार आयात शुल्क में कटौती को लागू करके कीमतों को कम करने की कोशिश कर रही है, लेकिन घरेलू बाजार में कपास की अधिक खपत और कम उपलब्धता के कारण कीमतों को अधिक मदद मिल रही है। तकनीकी रूप से कपास की कीमतों को 36120 के स्तर पर अच्छा सपोर्ट है और रेजिस्टेंस अब तक के उच्च स्तर पर है। अब तक के उच्चतम स्तर को पार करने पर कीमतें 47000 के स्तर तक बढ़ सकती हैं।

काँटन का टेक्निकल स्तर

काँट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 2
मई	40,700	43,250	44,800	47,350	48,900
जून	40,520	43,160	44,740	47,380	48,960

एमसीएक्स में काँटन वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



काँटन वायदा (एमसीएक्स) का मौसमी चार्ट



अरंडी बीज (कैस्टर सीड)

अहम कारक

- चीन से अरंडी के तेल की निर्यात मांग
- भौतिक बाजार में अरंडी के बीज की आवक
- अरंडी के तेल और अरंडी मील का निर्यात
- किसान और तेल मिल मालिकों के पास स्टॉक



- अप्रैल महीने में अरंडी वायदा की कीमतें लगातार चौथे महीने मजबूती के साथ बढ़ हुईं। संतुलित आपूर्ति और मांग की स्थिति के कारण कीमतें मुख्य रूप से एक दायरे में रही। अप्रैल में पहले कीमतों में लगभग 3.5% की गिरावट हुई लेकिन फिर कम उत्पादन की रिपोर्ट और इसके डेरिवेटिव उत्पादों-तेल और मील के लिए लगातार निर्यात मांग के कारण कीमतों में 4.5% की वृद्धि हुई।
- सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार 2021-22 सीजन के दौरान भारत में अरंडी उत्पादन 2020-21 के 17.89 लाख टन की तुलना में 17.95 लाख टन होने के बावजूद वर्तमान में कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 40% अधिक हैं। उत्पादन चिंता का विषय नहीं है लेकिन कम कैरी-ओवर स्टॉक के कारण चालू वर्षों में कुल आपूर्ति कम होगी। बैलेंस शीट के अनुसार 2021/22 में खपत का अनुमान लगभग 20 लाख टन है, जबकि आपूर्ति और कैरी-ओवर स्टॉक लगभग 21 लाख टन है, जिससे चालू सीजन में संतुलन तेजी के पक्ष में है।
- कैलेंडर वर्ष 2022 के पहले तीन महीने में, भारत से अरंडी के तेल का निर्यात 17.4% घटकर 140184 टन रह गया, जबकि निर्यात कीमतों में 32% की वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2021/22 में अरंडी के तेल का निर्यात पिछले वर्ष 6.86 लाख टन की तुलना में 4.5% कम होकर 6.55 लाख टन रह गया। भारत ने वित्त वर्ष 2021/22 के दौरान 112 देशों को अरंडी के तेल का निर्यात किया और अरंडी के तेल के लिए शीर्ष तीन निर्यात गंतव्य चीन, नीदरलैंड और यूएसए थे।
- 2022 के पहले तीन महीने में, उच्च निर्यात कीमतों के कारण भारत का अरंडीमिल का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 3.4% घटकर 99960 टन रह गया। वित्त वर्ष 2021/22 के दौरान अरंडीमिल का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 9% घटकर 3.82 लाख टन रह गया। अरंडीमिल का औसत मूल्य पिछले वर्ष के 67 डॉलर प्रति टन की तुलना में 85% से अधिक बढ़कर 124 डॉलर /टन से अधिक है।

आउटलुक

अरंडी के तेल और मील के निर्यात की अच्छी मांग के कारण वर्तमान में एनसीडीईएक्स में अरंडी वायदा की कीमतों में तेजी है। तकनीकी रूप से, चार्ट पर 7500 का स्तर मजबूत रेजिस्टेंस प्रतीत होता है और इसे तोड़ने से कीमतें 7700-7900 के स्तर तक पहुंच सकती हैं। इस सीजन की कीमतें पिछले सीजन की तुलना में कम से कम 50% अधिक हैं। नए सीजन की फसल हाजिर बाजार में आने लगी है लेकिन तेल मिल मालिकों की ओर से अच्छी मांग के कारण कीमतों को समर्थन मिल रहा है। मई के दौरान अरंडी के तेल की अधिक निर्यात मांग से अधिकतम आवक सीजन के दौरान कीमतों को समर्थन मिला। अरंडीसीड वायदा (जून) की कीमतों के 7200 के स्तर पर सपोर्ट के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है। कीमतों को 7600 के स्तर पर तत्काल रेजिस्टेंस है।

अरंडीसीड का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
जून	6,775	7,090	7,370	7,685	7,950

कैस्टरसीड वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



कैस्टरसीड वायदा का मौसमी चार्ट



ग्वार कॉम्प्लेक्स

अहम कारक

- किसानों और मिलों के पास स्टॉक
- भौतिक बाजार में ग्वारसीड की आवक
- ग्वारगम की निर्यात मांग
- अमेरिका में कार्यरत तेल रिग
- चारा और खाद्य उद्योग के लिए ग्वार डेरिवेटिव की मांग



Source: Reuters & SMC Research

- अप्रैल 2022 में, ग्वारसीड की कीमतें नए साल के लिए उच्च स्तर 6700 से अधिक हो गई हैं, लेकिन इसके बाद 6% की गिरावट के साथ 6300 के स्तर को बंद हुई। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतें भी 5 महीने के उच्च स्तर 13400 से ऊपर पहुंच गई और फिर मुख्य रूप से उच्च स्तर पर मुनाफा वसूली के कारण कीमतों लगभग 6.6% की गिरावट हुई। लेकिन कीमतों में अभी भी तेजी का रुझान है क्योंकि ग्वारसीड और ग्वारगम की कीमतें पिछले 2 महीनों में कम उत्पादन और किसानों एवं स्टॉकिस्टों के स्टॉक में कमी के कारण 7.5% और 16% बढ़ी हैं।
- ग्वारगम की लगातार निर्यात मांग और किसानों के पास घटते स्टॉक स्तर के कारण पिछले साल की कीमतों की तुलना में वर्तमान में कीमतें लगभग 56% अधिक हैं क्योंकि किसानों ने अधिक कीमतों के कारण सीजन की शुरुआत के दौरान अधिकांश उपज बेच दी है।
- उच्च कीमतों के कारण पिछले एक महीने की अवधि के दौरान प्रोसेसरों और निर्यातकों ने अपनी खरीद को धीमा कर दिया है। जोधपुर और बीकानेर के बाजारों में नीलामी में ग्वारसीड की कीमत 6200-6300 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि इसकी कीमत अप्रैल के पहले सप्ताह के दौरान 6600 रु प्रति क्विंटल और ग्वार गम की कीमत 11,400 रुपये प्रति क्विंटल थी।
- किसानों के पास स्टॉक कम होने के कारण देश भर में ग्वार सीड की आवक मार्च में लगभग 5500 क्विंटल प्रति दिन की तुलना में कम होकर अप्रैल में लगभग 3500 क्विंटल प्रति दिन रह गई।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद रूस दूसरा सबसे बड़ा ग्वारगम आयातक है और रूस पर संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन द्वारा आर्थिक प्रतिबंधों के साथ आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के कारण ग्वारगम निर्यात सीमित हो रहा है। लेकिन कच्चे तेल की रिकॉर्ड उच्च कीमतों पर, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका में आने वाले महीनों में तेल रिग की संख्या बढ़ने की उम्मीद है और अन्य देशों में निश्चित रूप से ग्वारगम की निर्यात मांग में वृद्धि होगी जो ग्वार सीड की कीमतों का समर्थन करेगा।
- एपीडा के अनुसार, अक्टूबर-फरवरी के दौरान ग्वारगम का निर्यात करीब 36 फीसदी बढ़कर 1.37 लाख टन हो गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 1 लाख टन था। जनवरी-फरवरी 2022 के दौरान ग्वारगम का निर्यात 30% बढ़कर 53,268 टन हो गया, जो पिछले साल 41,161 टन था।

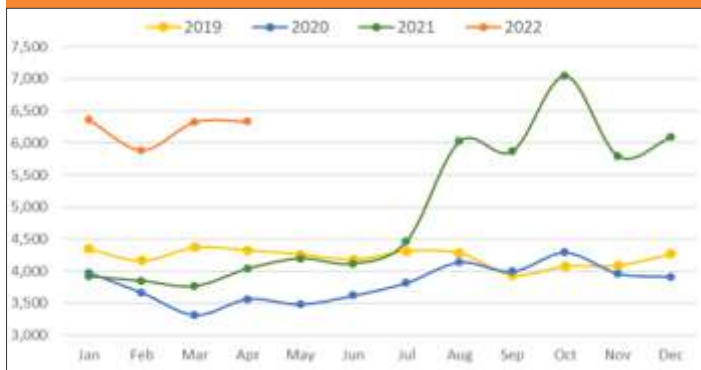
आउटलुक

अप्रैल के पहले सप्ताह में 7500 के स्तर पर पहुंचने के बाद कीमतों में गिरावट हुई और महीने में 7300 के स्तर पर बंद हुई। उच्च कीमतों पर कम खरीददारी के कारण कीमतों में गिरावट हुई। लेकिन ग्वार-गम के निर्यात में बढ़ोतरी से कीमतों को समर्थन मिल रहा है जबकि कीमतें पिछले साल की कीमतों की तुलना में अभी भी 50% अधिक हैं, लेकिन अच्छे मानसून के पूर्वानुमान से कीमतें एक दायरे में रह सकती है। किसानों को इस सीजन में अच्छा रिटर्न मिला है और हो सकता है कि उनके पास उनकी पकड़ न हो। अनुमान है कि कीमतें 5800/5500 के स्तर तक लुढ़क सकती है जो ग्वारसीड के लिए एक अच्छा सपोर्ट है जबकि रेजिस्टेंस 6700 के स्तर पर है।

ग्वारसीड का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
जून	5,924	6,171	6,495	6,742	7,066

ग्वारसीड वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



ग्वारसीड वायदा का मौसमी चार्ट



आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएँ और संबंधित सेवाएँ करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिटेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मंचेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिस्चर्च एनॉलिसिस) रेगुलेशन 2014 के तहत रिस्चर्च एनॉलिसिस के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निर्वासित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिस्चर्च एनॉलिसिस द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिस्चर्च एनॉलिसिस, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एल्टू द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

दिसक्लेमर: यह रिस्चर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विरिक्ल सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उदाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने धिक्के का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विचार हो सकता है। सभी विचारों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।

